पंचम चरण, कार्यक्रम-०३

पंचदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

मुक्त शैक्षिक संसाधनों (OERs) का विकास एवं अनुप्रयोग

14-18 जून, 2021 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली** में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा पंचम चरण के कार्यक्रमों में **'मुक्त शैक्षिक संसाधनों (OERs) का विकास एवं अनुप्रयोग'** विषय पर तृतीय पंचदिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन दिनांक 14 से 18 जून, 2021 तक किया गया। इस कार्यशाला के उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों का विकास एवं अनुप्रयोग से सम्बन्धित अंतर्दृष्टि प्रदान करना तथा कुशलताओं का संवर्द्धन करना। ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ शिक्षण अधिगम केन्द्र की निदेशक **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया, तदोपरान्त **प्रो. पी. सी. जोशी** (कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 30 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन सत्र, उद्बोधन सत्र, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र, 05 प्रश्नोत्तर सत्र, 05 स्वाभ्यास सत्र तथा 1 प्रत्येक ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 49 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ और सभी ने कार्यशाला पूर्ण की। 49 प्रतिभागियों में भारत के 12 राज्यों से 42 प्रतिभागी एवं 02 केन्द्र शासित प्रदेशों से 07 प्रतिभागी रहे। 12 राज्यों के प्रतिभागियों में जिसमें हरियाणा से 04, हिमाचल प्रदेश से 04, कर्नाटक से 02, केरल से 01, महाराष्ट्र से 03, पंजाब से 01, राजस्थान से 03, तमिलनाडू से 02, त्रिपुरा से 01, उत्तराखण्ड से 03, उत्तर प्रदेश से 16 एवं पश्चिम बंगाल से 02 तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेशों में दिल्ली से 06 एवं जम्मू एवं कश्मीर से 01 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **10 विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा - ओ. ई. आर. परिचय, ओ.ई.आर. के रूप में टेक्स्ट एवं ईमेज आधारित ई-संसाधनों का विकास- वर्ड क्लाउड, संकल्पना चित्र एवं इन्फोग्राफिक्स, ओ.ई.आर. के रूप में ऑडियो एवं वीडियो ई-संसाधन निर्माण और लाइसेंसिंग की अवधारणा इत्यादि। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर विकल्प आधारित 06 दत्तकार्य प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन परीक्षण भी प्रशासित किया गया जिसमें **86% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा - **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत 72%, 26%, 02% एवं 00% क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम, संतोषजनक एवं असंतोषजनक** और इन 10 बिंदुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में 75% उत्कृष्ट, 23% अति उत्तम, 03% उत्तम, 00% संतोषजनक एवं 00% असंतोषजनक प्राप्त हुई। समापन सत्र में केन्द्र की निदेशक द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **प्रो. नागेश्वर राव** (कुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण दिया गया। शिक्षापीठ प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्तिपाठ के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।